Speaking at Public Meeting, Chhutmalpur

February 04, 2017

यह शर्म की बात है एकदम और मुफ्त कनेक्शन देने की ज़िम्मेदारी लेती है राज्य सरकार, मुफ्त कनेक्शन, उसमें बारहवी पंचवर्षीय योजना में 86,283 गरीबों के घरों में मुफ्त कनेक्शन जा रहा था, 86,283 घरों में | इसके पैसे का आवंटन किया गया है लेकिन जब मैं आपको आंकड़ा दूंगा कि अभी तक कितने गरीबों के घर में यह मुफ्त कनेक्शन दिया गया है तब आपको ध्यान में आएगा किस प्रकार से इस सरकार ने आपको विकास से वंचित रखा | अभी तक यह आंकड़ा है 31 जनवरी, 2017 का, आज क्या तारीख है 4 तारीख है, 4 फरवरी, मैं 4 दिन पुराना आंकड़ा लेके आया हूँ आपके समक्ष | 31 जनवरी तक मात्र 15,324 गरीबों के घर में मुफ्त बिजली का कनेक्शन दिया गया, मात्र 18%, क्या यह विकास की सरकार है? यह है वह काम जो बोलता है, जो आप महसूस करते हो | असलियत काम की यह है कि मात्र 18% गरीब के घरों में मुफ्त कनेक्शन दिया गया जबकि पैसा था 86,000 घरों तक पहुँचाने का | और यह थी बारहवी पंचवर्षीय योजना |

जब प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार आई तब हमने दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के तहत ग्रामीण विद्युतीकरण को और तेज़ गति देने का काम शुरू किया | और आज मैं आपके समक्ष एक शिकायत भी करना चाहूँगा, आपके सांसद के खिलाफ शिकायत करने आया हूँ, उन्होंने मेरा जीना हराम कर दिया है | हर थोड़े दिन में आके मुझे नोक-झोक करते हैं, मुझे परेशान करते हैं कि मेरे क्षेत्र में आप और पैसा दो, और आवंटन करो, और funds allocate करो | लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि मेरे नए पैसे आवंटन करने के बावजूद और राघव लखनपाल जी के आग्रह के कारण मैंने फिर 198.8 करोड़, लगभग 200 करोड़ रुपये अधिक

दिए सहारनपुर के विद्युतीकरण के काम के सिर्फ ग्रामीण क्षेत्र में, शहर के पैसे अलग दिए, सिर्फ ग्रामीण क्षेत्र में विद्युतीकरण और हो | और जैसा मैंने बताया बारहवी पंचवर्षीय योजना के 131 करोड़ में से 100 बचे हुए हैं उसके बावजूद 200 करोड़ रुपये और दिए लेकिन राज्य की सरकार ने इस काम में भी अभी तक कोई तेज़ गति नहीं दी है नहीं तो इस काम से लगभग 50,000 और गरीबों के घर में मुफ्त बिजली दी जा सकती थी इस पैसे से |

लगभग 118 करोड़ रुपये जो यहाँ के इलाके में जो agricultural feeder जो किसानों के लिए जो लाइनें जाती हैं उसको अलग करने की जो योजना प्रधानमंत्री जी ने गुजरात में सफलता से की थी उस योजना को सहारनपुर में लागू करने के लिए 118 करोड़ रुपये और दिए गए लेकिन उस का काम भी अभी तक किया नहीं गया | और उसका लाभ यह होगा कि किसानों को कभी बिजली की कमी नहीं होगी, कभी ऊर्जा की कमी नहीं आएगी, जब किसान को खेत में पानी की आवश्यकता है तब उसको पर्याप्त मात्रा में बिजली मिल सकेगी और उसके बिजली के कारण अपने खेत से वह उत्पादन बढ़ा सकेगा और 2022 तक उसकी आमदनी दुगनी हो सकेगी | इसी के साथ साथ जब फीडर अलग अलग किये जाते हैं तो आपके घरों में चौबीस घंटे बिजली भी सुनिश्चित की जा सकती है |

राज्य सरकार बड़े बड़े वादे करती थी | शहरों में चौबीस घंटे बिजली देंगे, गावों में 18 घंटे बिजली देंगे, आपको मिल गयी है क्या 18 घंटे बिजली? बड़े बड़े इश्तिहार आये थे, मुझे याद है मैंने इश्तिहार दिल्ली तक में देखे, मुंबई तक में देखे हैं | मुझे समझ नहीं आ रहा था मुंबई में इश्तिहार देके उत्तर प्रदेश के जनता के पैसे को क्यों waste किया जा रहा है, मुंबई में दे रहे हैं इश्तिहार कि अभी सबको चौबीस घंटे बिजली मिलेगी, शहरों में 18 घंटे गावों में तहसील क्षेत्र में 22 घंटे | लेकिन मैं आज आपके सामने जो आंकड़े रखूँगा उससे आपको हैरानी होगी और

यह मैं आंकड़े इसलिए लाया हूँ क्योंकि सरकार बार बार कहती है कि हमारा काम बोलता है | भाई काम बोलता है तो वह तो यहाँ पे झलकना चाहिए ना काम, आपने तो अभी बोला कि काम बोलता है कि 8 घंटे भी बिजली नहीं मिलती लेकिन आंकड़े उससे भी बत्तर स्थिति बताते हैं, उससे भी ख़राब स्थिति बताते हैं | जब मैं आंकड़े देखता हूँ और जैसा मैंने पहले आपको कहा कि इस पूरे क्षेत्र में गरीबों के घर में बिजली पहुँचाने का काम इस सरकार ने किया नहीं, साथ ही साथ आपको जानके हैरानी होगी कि पूरे उत्तर प्रदेश का भी जब मैं स्थिति देखता हूँ तो कितनी गंभीर स्थिति है | उत्तर प्रदेश में ग्रामीण इलाकों में कुल लगभग 3 करोड़ घर हैं, 3 करोड़ परिवार ग्रामीण इलाकों में रहते हैं | कोई अनुमान लगा सकता है कि उसमें से कितने घरों में आज भी बिजली नहीं पहुंची है? 50% से अधिक घरों में आज भी बिजली नहीं पहुंची है, 1,60,00,000 घरों में, ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बिजली का कनेक्शन नहीं है | यह अलग बात है कि कुछ लोगों को कटिया मार के बेईमानी से बिजली लेनी पड़ती है जब सरकारी तंत्र से बिजली नहीं मिलती है और मुझे तो शक है कि शायद बिजली ना देने का कारण यही है कि अगर इमानदार बिजली का कनेक्शन आपको मिल गया तो आपको सस्ती बिजली तो मिलेगी लेकिन वह बिजली का बिल सरकारी खजाने में जाएगा उसका भुगतान | लेकिन राजनेताओं को और अधिकारियों को अपनी जेब भरने के लिए आपको कटिया मारने के लिए मजबूर करना पड़ता है, आपको नुक्सान देके कटिया मार के बिजली लेनी पड़ती है |

और इसी के कारण आज सहारनपुर क्षेत्र के जब आंकड़े देखें तो लगभग 54% बिजली चोरी होती है या उसका नुक्सान होता है जिसके कारण इमानदार लोगों तक बिजली पहुँचती नहीं है, बेईमान बिजली का गलत फ़ायदा उठाते हैं | क्या आपको सबको नहीं लगता कि आप सबको सस्ते दर की बिजली का अधिकार है?

भारतीय जनता पार्टी ने आश्वस्त किया है उत्तर प्रदेश की जनता को कि किसानों को भी कम दाम पे बिजली मिलेगी और हर गरीब को, हर गरीब के घर में पहले 100 unit तक की बिजली 3 रुपये प्रति यूनिट पे देने का वादा भारतीय जनता पार्टी ने किया है और अनाप-शनाप charges लगाके, अनाप-शनाप आपके ऊपर बोझ नहीं डालेगी, सिर्फ 3 रुपये प्रति यूनिट में हर गरीब के घर में बिजली पहुँचाने का काम राणा जी करेंगे, राघव लखनपाल जी करेंगे, पियूष गोयल करेगा आपके लिए |

हमारा यह कर्तव्य बनता है और हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने जो वादा किया था कि देश के हर घर तक और हर किसान के खेत तक बिजली पहुँचाने का काम भारतीय जनता पार्टी करेगी | लेकिन आप सब जानते हैं कि यह काम केंद्र सरकार केंद्र से सीधा नहीं कर सकती है, राज्य सरकार को इसमें आपके घर तक, आपके खेत तक बिजली पहुँचाने का काम करने का दायित्व यह भारत के संघीय ढांचे में दिया हुआ था | केंद्र सरकार पैसे का आवंटन करती है, पैसा देती है, बिजली देती है, नए नए पॉवर प्रोजेक्ट्स लगाती है और मैं समझता हूँ यह जो इलाका जहाँ पे आपको पानी की कमी होती है यहाँ पे सौर ऊर्जा की बहुत संभावना है, हम सौर ऊर्जा लगा सकते हैं, सौर ऊर्जा से यहाँ पे पंप चल सकते हैं | लेकिन उसके लिए राज्य सरकार की इक्षा शक्ति भी चाहिए और जब रेल गाडी चलती है तो रेल गाडी जब दो इंजन से चलती है तब तेज़ गति से चल सकती है, ऐसे ही सहारनपुर का विकास और छुटमुलपुर का विकास तब हो पाएगा जब केंद्र सरकार और राज्य सरकार डबल इंजन के रूप में काम करेगी और सहारनपुर में और सहारनपुर के ग्रामीण इलाके तक विकास पहुंचेगा, आपके घर तक पहुंचेगा, आपके खेत तक पहुंचेगा |

प्रधानमंत्री जी ने सिंचाई पर जोर दिया है, हमने वादा किया है कि 20,000 करोड़ रुपये लगाके एक नयी सिंचाई की योजना उत्तर प्रदेश में लागू की जाएगी और जब सरकार 20,000 करोड़ रुपये देती है तो उसके ऊपर बाकी फण्ड लगाके यह लाखों करोड़ की योजना पूरे उत्तर प्रदेश में सिंचाई का काम कर सकेगी और आपका जो क्षेत्र dark zone माना जाता है जहां पे tube well नहीं बन सकता, वहां के लिए भी प्रधानमंत्री के पास योजना है | अगर आप किसी ने गुजरात का देखा होगा तो गुजरात में भी dark zone था, गुजरात में भी ऐसे क्षेत्र थे कच्छ का इलाका जो एक प्रकार से एकदम पानी से वंचित थे और जहाँ सालों-साल इतिहास में कभी पानी नहीं पहुंचा था वहां पे प्रधानमंत्री जी ने क्या किया? जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो नर्मदा योजना के तहत उन्होंने एक पूरी canals की, झीलों की पूरी जाल बिछा दिया गुजरात में और जो दूर के इलाके थे वहां पे पाइपलाइन से पानी पहुँचाया, पाइपलाइन द्वारा, जिससे आज गुजरात के कोने कोने में पानी पहुँच पाया |

और मैं समझता हूँ उत्तर प्रदेश एक ऐसा राज्य है, ऐसा प्रदेश है जहाँ पे कभी पानी की कमी होनी नहीं चाहिए, पानी की कमी पड़ने की कोई ज़रूरत नहीं | यहाँ पे सिर्फ इमानदार काम की ज़रूरत है, यहाँ पे सिर्फ एक अच्छी सरकार जो प्रदेश के हर इलाके की चिंता करे, भेदभाव ना करे कि मुख्यमंत्री के गाँव में तो चौबीस घंटे बिजली हो, चमचमाती हुई बिजली हो और बाकी प्रदेश बिजली जैसे सामान्य वस्तु से वंचित रहे | आखिर आज सैफई में कभी बिजली कटती है क्या? इटाह, इटावा में कैसे बिजली मिलती है और सहारनपुर में क्यों नहीं मिलती? वैसे तो आपके क्षेत्र ने एक बहुत बड़े नेता को तो यहाँ से विधायक भेजके दो बार भेजा हैना? आप ही के क्षेत्र से एक और बड़ी नेता, आजकल तो अरोरा सीट ही नहीं रही ... वह पार्टी भी नहीं रही, वह नेता भी आज किधर चुनाव में दिखाई नहीं दे रही है

और महावीर जी आपने सही कदम लिया कि आप भारतीय जनता पार्टी से जुड़े | आज सभी अच्छे लोग भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने के लिए आ गए हैं |

आपको एक और हैरानी की बात बताऊँ, मैं आंकड़े निकाल रहा था और वास्तव में समाजवादी पार्टी ने अपने 2012 के manifesto में बोला था, यह कहा था कि हम एक war की तरह, लड़ाई की तरह जैसे हम लड़ाई में झोंक जाते हैं अपने आपको वैसे बिजली के क्षेत्र में क्रांतिकारी काम करेंगे, 2012 के मैं चुनावी पत्र में देख रहा था | जब मैं 2014 में ऊर्जा मंत्री बना तब आपको जानके हैरानी होगी अगर पूरे उत्तर प्रदेश को देखें तो लगभग 11,800 करोड़ रुपये राज्य सरकार के पास उपलब्ध थे ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने के लिए लेकिन उसमें से उन्होंने सिर्फ 4100 रुपये का काम किया है, 11,800 में से मात्र 4100 का | और जब हमारी सरकार आई तब हमने 7000 करोड़ अधिक और दिया तो लगभग 18,000 करोड़ रुपये उपलब्ध थे उसके बावजूद सिर्फ 25% काम करवाया गया | 20 घंटे, 22 घंटे, 24 घंटे बिजली देने के लिए थोड़ी बिजली अधिक खरीदनी पड़ती हैना? जब बिजली खरीदोगे, इस्तेमाल करोगे तभी तो जनता तक पहुँच पाएगी |

अभी अभी मैं आंकड़ा निकाल रहा था और हमारे पास यह आंकड़ा कोई सरकारी जेब में नहीं है, यह आंकड़ा आप भी अपने फ़ोन पे ले सकते हैं | यह एक हमने मोबाइल अप्प के माध्यम से जनता को समय समय पे आंकड़ा मिल सके ऐसा एक विद्युत् प्रवाह अप्प मुफ्त में सबके फ़ोन पे लग सके ऐसा एक अप्प लांच किया, मैं उस अप्प में से पढके अभी की स्थिति बताता हूँ | अभी बजे हैं आपकी घडी में, 1.57 बजे होंगे आपकी घडी देख लीजिये, 1.57 हुए हैं अभी, इस समय उत्तर प्रदेश को अगर बिजली चाहिए हो तो पॉवर एक्सचेंज में, एक पॉवर एक्सचेंज होता है जिससे बिजली उत्तर प्रदेश खरीद सकती है | तो 2.94 रुपये पे अभी के समय, अभी जब मैं आपके समक्ष खड़ा हूँ, 4,754 MW बिजली उपलब्ध है जो

राज्य सरकार खरीद सकती है | Surplus power at power exchange, यह उपलब्ध है | फिर उत्तर प्रदेश में अन्दर जाते हैं कि उत्तर प्रदेश के नक़्शे को खोलते हैं और देखते हैं कि क्या स्थिति है उत्तर प्रदेश की | यह उत्तर प्रदेश का नक्षा मैंने खोला है, उत्तर प्रदेश की स्थिति यह है कि 2.94 रुपये में बिजली उपलब्ध होने के बावजूद आज उन्होंने कितनी बिजली खरीदी | शून्य | कल कितनी खरीदी? कल भी शून्य | और कुल उत्तर प्रदेश का हमें आंकड़ा दिया है, पूरे उत्तर प्रदेश का कि मात्र 0.9%, मतलब 0.9 प्रतिशत बिजली की कमी है पूरे उत्तर प्रदेश में | मुझे लगता है सहारनपुर अकेले में 50% की कमी होगी, यह कह रहे हैं पूरे उत्तर प्रदेश में बिजली पर्याप्त है हमारे पास, हमें कोई कमी नहीं है, इससे हमें और कोई बिजली खरीदने की आवश्यकता नहीं है | और आपको जानके हैरानी होगी दिल्ली तो एक शहर हैना? जितनी बिजली मात्र दिल्ली खर्च रहा है अभी के समय, सिर्फ दिल्ली में जितनी बिजली लग रही है उसके निस्बत पूरे उत्तर प्रदेश में अभी के समय सिर्फ 10,390 MW बिजली खपत हो रही है जो तीन गुनाह है दिल्ली से, कहाँ दिल्ली एक छोटा सा शहर और कहाँ विशाल उत्तर प्रदेश | दिल्ली में जो बिजली खपत हो रही है उसके मात्र तीन गुनाह बिजली पूरे उत्तर प्रदेश में खपत हो रही है | तो कब आएगा नंबर सहारनपुर का बिजली और कब पहुंचेगी आपके घर में और आपके खेत में बिजली, कोई संभावना आपको दिखती है इस सरकार के रहते? यह है उनका काम जो बोलता है |

और हम क्या करना चाहते हैं? हमें ध्यान में है कि यहाँ के किसानों को बड़ी पीड़ा हुई है, बहुत नुक्सान पहुंचा है | यह चिंता भारतीय जनता पार्टी को है, तो जब हम 2017 के विधान सभा चुनाव का संकल्प पत्र बना रहे थे और यह मात्र घोषणा पत्र नहीं है यह संकल्प पत्र है | इसमें एक एक विषय हम करेंगे, यह करने की हमारा संकल्प है यह हमारी प्रतिबद्धता है | इसलिए यह संकल्प पत्र हमारे राष्ट्रीय

अध्यक्ष अमित शाह जी के हाथों से देश के समक्ष, प्रदेश के समक्ष रखा गया और हमने इसमें प्रदेश की जनता को वादा दिया है कि जो छोटे गरीब किसानों का फसली ऋण है, सीमान्त और छोटे किसानों का जो फसली ऋण है यह पूरी तरीके से माफ़ किया जाएगा और आगे आने वाले दिनों में जो फसली ऋण हमारे उत्तर प्रदेश के किसान भाइयों को लेना पड़ता है वह बिना ब्याज के आपको दिया जाएगा | केंद्र सरकार ब्याज में कमी करती है लेकिन उसके बावजूद आपको ब्याज जो भरना पड़ता है वह राज्य सरकार पूरी करेगी आने वाली भारतीय जनता पार्टी की राज्य सरकार और आपको निःशुल्क बिना ब्याज के फसली ऋण मिलेगा, छोटे और सीमान्त किसानों को, यह भारतीय जनता पार्टी का वादा है और इसको हम पूरा करेंगे |

भारतीय जनता पार्टी इस बात से भी चिंतित है कि कई बार फसल में नुक्सान भी हो जाता है और पहले कई schemes बनाई गई पर आपको भी अनुभव होगा कि नुक्सान का कुछ ही अंश भुगतान किया जाता था, उसकी भरपाई की जाती थी | और यह बात प्रधानमंत्री जी को लगातार चिंता थी | मुझे याद है लगभग एक वर्ष तक कई मीटिंगें प्रधानमंत्री जी ने की जिससे एक अच्छी योजना बनाई जा सके, जिससे कभी भी कोई किसान को नुक्सान हो तो उसकी भरपाई शत-प्रतिशत करी जा सके और फसल बीमा योजना जो केंद्र सरकार ने लागू की है उसमें कम प्रीमियम पे, बहुत ही छोटे प्रीमियम पे शत-प्रतिशत किसानों का नुक्सान कभी हो तो शत-प्रतिशत नुक्सान की भरपाई करने का वादा भारतीय जनता पार्टी ने किया था और उसको लागू करके दिखाया, वह योजना के तहत पिछले वर्ष लगभग दो गुनाह किसानों को उसकी सहूलियत मिली, उनकी किसानों की जो फसल है उसकी बीमा का प्रावधान किया गया | और हमने यह वादा किया कि उत्तर प्रदेश के हर किसान को उस फसल बीमा योजना का लाभ मिलेगा यह उत्तर प्रदेश की सरकार

का दायित्व होगा | साथ ही साथ किसी भी प्रकार की कमी खाद में ना होने पाए, और किसान को पर्याप्त मात्र में खाद मिले जब उसकी आवश्यकता हो इसको सुनिश्चित किया गया है | मुझे नहीं लगता राघव जी आपको खाद की कमी पिछले वर्ष महसूस हुई हो |

और यह हमारी प्रतिबद्धता है कि कभी कोई किसान को खाद की ना कमी होने देंगे और हर एक किसान के Soil Health Card को बनाके उसको मदद करेंगे, कैसे उसके खेत में और अच्छी फसल बनाई जा सके | मुझे लगता है यहाँ पे पानी कम होने के कारण हमने यहाँ micro-irrigation के प्रोजेक्ट को प्राथमिकता देनी चाहिए, कैसे कम पानी से किसान की फसल और अधिक आ सके, productivity बढ़ सके, drip irrigation, drip irrigation पे हम एक विशेष योजना सहारनपुर और ऐसे dark zone के लिए बनायेंगे | और एक बहुत महत्वपूर्ण योजना जो मेरे विभाग से संबंधित है यह हमने संकल्प पत्र में भी कहा है लेकिन मैं अपना व्यक्तिगत आपको आश्वासन देके जाता हूँ, यह मेरा विश्वास है कि हर किसान को जिस के पास बाबा आदम के ज़माने के पुराने पंप चल रहे हैं और क्या एक एक पंप पे मैंने सुना दो दो बार एक साल में copper wire को winding करनी पड़ती हैं, जल जाती हैं मशीनें | और कई बार तो मुझे मेरे मित्र कहते हैं कि किसान फसल करने के बदले इलेक्ट्रीशियन बन गया अपने मोटर को रिवाइंड कर करके | मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ यह सब बाबा आदम के ज़माने के पंप आपको उठाके फेंक देने पड़ेंगे, हम आपको निःशुल्क नया पंप, और यह पंप बिजली की भी खपत कम करता है, energy efficient pump है, कम बिजली की खपत होती है इसमें जिसमें आपका भी पैसा बचता है, आपकी भी बिजली में पैसा कम लगता है और राज्य सरकार की भी बिजली कम लगती है | जिसको कहते हैंना दोनों का फायदा, दोनों का फायदा जोडके किसानों को समय पे पानी मिले और इस पंप का यह

विशेषता है कि पांच वर्ष तक किसान को उसपे एक रुपया नहीं खरचना पड़ेगा, पांच वर्ष तक | इस पंप की अगर मोटर में कुछ खराबी आई तो हमारी ज़िम्मेदारी होगी उसको ठीक करने की, मुफ्त में दिया जाएगा |

और आपको जानके ख़ुशी होगी कि इस पंप में एक फ्लो मीटर भी लगाया जाता है जिससे आप आंकलन लगा सकोगे कि कितना पानी जाना था खेत में उतना पानी गया कि नहीं गया | साथ ही साथ इसमें एक मोबाइल की चिप लगी होगी, आप अपने घर बैठे एक SMS के द्वारा इस पंप को चला पाएंगे और जब उस फ्लो मीटर में आप देखोगे कि पानी पर्याप्त पहुँच गया है तो आप घर बैठे SMS से उस पंप को बंद भी कर पाओगे | निःशुल्क, तो हर एक को यह पंप चाहिए कि नहीं चाहिए|

अब मैं समझता हूँ अब महावीर जी को यहाँ से जिताना यह मैं आप सबके जिम्मे छोडके जा सकता हूँ कि नहीं? और यहाँ पे उपस्थित एक एक व्यक्ति सुबह के 10 बजे के पहले वोट डालने जाएगा यह मैं आपसे विश्वास लेके जा सकता हूँ? 10 बजे के पहले यहाँ उपस्थित एक एक व्यक्ति अपना वोट डालेगा? आखिर यह गुंडाराज कभी ना कभी तो ख़त्म करना हैंना? यह गुंडई की सरकार को निकालना है कि नहीं निकालना है? भ्रष्टाचार को ख़त्म करना है कि नहीं करना है? क्या आपने एक भी भ्रष्टाचार का किस्सा सुना प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार का? क्या ऐसी सरकार उत्तर प्रदेश को चाहिए कि नहीं चाहिए? पर ऐसी सरकार के लिए एक दिन ज़रा जल्दी उठना पड़ेगा सुबह सब को और जल्दी उठके खुद का वोट 10 बजे के पहले और शाम तक यहाँ उपस्थित एक एक व्यक्ति 25 और वोट डलाएगा, यह मुझे आज वादा चाहिए आप सबसे | 25 वोट एक एक व्यक्ति यहाँ बैठे हुए मुझे विश्वास दीजिये तब आएगा गुंडाराज के बगैर अच्छी इमानदार सरकार, तब आएगी सस्ती बिजली |

देखिये आप जब पूजा करते हैं और कोई भी धर्म के व्यक्ति के लिए यह लागू होता है, आप जब पूजा करते हैं तो उसमें भी थोड़ी महनत करनी पड़ती है | जब आप पूजा क्यों करते हैं, आपको विश्वास है कि ऊपर वाला कुछ न कुछ देगा, ईश्वर, खुदा, क्राइस्ट, कोई भी संप्रदाय में हम विश्वास करें, जब कोई भी व्यक्ति पूजा करता है तो इस विश्वास से करता है कि ऊपर वाला कुछ देगा | जब कोई व्यक्ति किसी के पास कुछ मांगने जाता है उसी के पास जाता है जो उसको विश्वास हो कि वह कुछ देगा | जब हम सब एक अच्छी सरकार, एक इमानदार सरकार, एक ऐसी सरकार जो भ्रष्टाचार न करे, जो गुंडाराज पे लगाम लगाए, जो किसानों की चिंता करे, जो हर हमारी बहन को बीए तक की शिक्षा मुफ्त में मिले, युवाओं को हुनर मिले, एक स्किल डेवलपमेंट हो उसका कौशल विकास हो जिससे वह नौकरी के काबिल बने, जिससे वह स्वयं रोज़गार कर सके, मुद्रा लोन में जाके कम ब्याज के ऊपर उसको ऋण मिले, उसको छोटे ब्याज के ऊपर कर्जा मिल सके जिससे वह स्वयं रोज़गार कर सके, यह सब सुविधाएं जब हम चाहते हैं तो हम सबको भी थोड़ी महनत तो करनी पड़ेगी ना महावीर जी को जिता के, एक भारतीय जनता पार्टी की सरकार स्थापित करने के लिए |

तो आज हम सब यह निश्चय कर लें और यह संकल्प करके यहाँ से जायें कि चुनाव के दिन हम अपना वोट सुबह डालेंगे और शाम तक हम घर घर पहुँचके अपने घर से लोगों को चुनाव में भेजें, अपने रिश्तेदारों को आग्रह करें कि शत-प्रतिशत लोग चुनाव में जाके अपने मत का अधिकार पूरा करें, हमारे मुहल्ले से एक भी व्यक्ति ऐसा ना रहे जो जाके अपना मत ना डाले और कमल के फूल पे आपका मत डाला जाए, कमल का बटन दबायेंगे और इस कीचड में से एक भ्रष्टाचार मुक्त, इमानदार, विकास के प्रति प्रयत्नशील सरकार, अच्छे लोगों की सरकार, सहारनपुर के अच्छे लोगों की सेवा करने के लिए छुटमलपुर से एक

अच्छा विधायक चुनने के लिए और राघव जी की और मेरी सहायता करने के लिए आप महावीर राणा जी को भारी बहुमत से जिता के भेजेंगे | यह ज़िम्मेदारी मैं आपको सौन्पके जा रहा हूँ और मुझे पूरा विश्वास है यह मेरे उत्तर प्रदेश की पहली सभा है और पहली सभा में पहली constituency में नंबर एक constituency से शुरू कर रहा हूँ तो आप मुझे इस विश्वास का फल देंगे और चुनाव जीतने के बाद महावीर जी आप मुझे यहाँ पुनः एक बार बुलाएँगे |

बहुत बहुत धन्यवाद |